चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-5-26	4	1-3

आंखों की नियमित जांच जरूरी : काम्बोज

- हरियाणा कृषि विवि के कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच शिविर शुरू
- आंखों में दर्द, लालिमा, धुंधलापन और पानी आने जैसी समस्या है तो चिकित्सक से करवाएं जांच

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि किया। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर दो बजे तक निर्धारित किया गया है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि आंखें मानव शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग हैं। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, मोबाइल और कंप्यूटर के अधिक उपयोग, अनियमित जीवन शैली तथा स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही के कारण आंखों के रोगों में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने बताया कि समय पर जांच और उपचार से आंखों की बीमारियों और दृष्टिहीनता से बचा जा सकता है। नियमित नेत्र जांच स्वस्थ और सुरक्षित जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। छात्र कल्याण निदेशक डा. मदन खीचड़ ने बताया कि यह निःशुल्क नेत्र जांच शिविर हकृवि के कैंपस अस्पताल व आइक्यू सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा संयुक्त रूप से आयोज़ित किया गया है। कैंपस अस्पताल की एसएमओ डा. प्रीति मलिक ने बताया कि शिविर में मोतियाबिंद, दृष्टिदोष, गलूकोमा, आंखों की एलर्जी तथा अन्य नेत्र रोगों की जांच की गई।

नेत्र जांच कैंप में आंखों की जांच करवाते कुलपति प्रो . बीआर काम्बोज • पीआरओ

उन्होंने नागरिकों से मोबाइल और स्क्रीन का सीमित उपयोग करने, पौष्टिक भोजन खाने, धूप और धूल से आंखों का बचाव करने, पढ़ते समय सही रोशनी रखने तथा आंखों की नियमित जांच करवानें की सलाह दी। उन्होंने बताया कि यदि आंखों में लगातार दर्द, लालिमा, धुंधलापन और पानी आने जैसी समस्या है तो चिकित्सक से अवश्य जांच करवाएं। इस अवसर पर डा. सुल्तान सिंह, अश्वनी मोहिल व जानकी शुक्ला आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-5-26	2	1-2

एचएयू कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर शुरू, समय सुबह 10 से 2 बजे

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर शुरू हुआ। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किया। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर दो बजे तक रखा गया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार यह शिविर कैंपस अस्पताल और आई-क्यू सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के संयुक्त सहयोग से किया गया है। कैंपस अस्पताल की एसएमओ डॉ. प्रीति मलिक ने बताया कि शिविर में मोतियाबिंद, दृष्टिदोष, गलूकोमा, एलर्जी सहित अन्य रोगों की जांच की जा रही है। उन्होंने स्क्रीन समय घटाने, पौष्टिक आहार, धूप-धूल से बचाव और सही रोशनी में पढ़ने की सलाह दी। प्रो. काम्बोज ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, मोबाइल और कंप्यूटर के अधिक उपयोग, अनियमित जीवन शैली और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही से नेत्र रोग बढ़ रहे हैं। समय पर जांच और उपचार से आंखों की बीमारियों व दृष्टिहीनता से बचाव संभव है। इस अवसर पर डॉ. सुल्तान सिंह, अश्वनी मोहिल, जानकी शुक्ला, जितेन्द्र मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-5-26	11	1-3

आंखों की नियमित जांच एवं देखभाल जरूरी : प्रो. काम्बोज

हकृवि कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आरम्भ

नेत्र जांच कैंप में आंखों की जांच करवाते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार, 21 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि किया। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर दो बजे तक निर्धारित किया गया है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि आँखें मानव शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग हैं। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, मोबाइल और कंप्यूटर के अधिक उपयोग, अनियमित जीवन शैली तथा स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही के कारण आँखों के रोगों में बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में नेत्र जांच शिविर लोगों को समय रहते आँखों की समस्याओं की पहचान और उपचार का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि समय पर जांच और उपचार से आँखों की बीमारियों और दृष्टिहीनता से बचा जा सकता है। नेत्र जांच शिविर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वस्थ दृष्टि प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। नियमित नेत्र जांच स्वस्थ और सुरक्षित जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ मदन खीचड़ ने बताया कि यह निःशुल्क नेत्र जांच शिविर हकृवि के कैंपस अस्पताल व आई-क्यू सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है। कैंपस अस्पताल की एसएमओ डॉ. प्रीति मलिक ने बताया कि शिविर में मोतियाबिंद, दृष्टिदोष, गलूकोमा, आँखों की एलर्जी तथा अन्य नेत्र रोगों की जांच की गई। उन्होंने नागरिकों से मोबाइल और स्क्रीन का सीमित उपयोग करने, पौष्टिक भोजन खाने, धूप और धूल से आँखों का बचाव करने, पढ़ते समय सही रोशनी रखने तथा आँखों की नियमित जांच करवानें की सलाह दी। उन्होंने बताया कि यदि आँखों में लगातार दर्द, लालिमा, धुंधलापन और पानी आने जैसी समस्या है तो चिकित्सक से अवश्य जांच करवाएं। इस अवसर पर आई-क्यू सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से डॉ. सुल्तान सिंह, अश्वनी मोहिल, जानकी शुक्ला, जितेन्द्र सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी व कैंपस अस्पताल के स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22-5-26	5	7-8

हकृवि कैंपस अस्पताल में नेत्र जांच शिविर शुरू

हिसार, 21 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि किया। कैंपस अस्पताल की एस.एम.ओ. डॉ. प्रीति मलिक ने बताया कि शिविर में मोतियाबिंद, दृष्टिदोष, गलूकोमा, आंखों की एलर्जी तथा अन्य नेत्र रोगों की जांच की गई।

नेत्र जांच कैंप में आँखों की जांच करवाते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	22.5.26	11	7.8

आंखों की नियमित जांच जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि आंखें मानव शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग हैं। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, मोबाइल और कंप्यूटर के अधिक उपयोग, अनियमित जीवन शैली तथा स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही के कारण आंखों के रोगों में बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में नेत्र जांच शिविर लोगों को समय रहते आंखों की समस्याओं की पहचान और उपचार का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	21.05.2026	--	--

आँखों की नियमित जांच एवं देखभाल जरूरीः प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» हकृवि कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर शुरू

दक्ष दर्पण

हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि किया। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर दो बजे तक निर्धारित किया गया है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि आँखें मानव शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग हैं। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, मोबाइल और कंप्यूटर के अधिक उपयोग, अनियमित जीवन शैली तथा स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही के कारण आँखों के रोगों में बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में नेत्र जांच शिविर लोगों को समय रहते आँखों की समस्याओं की पहचान और उपचार का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि समय पर जांच और उपचार से आँखों की बीमारियों और दृष्टिहीनता

से बचा जा सकता है। नेत्र जांच शिविर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वस्थ दृष्टि प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। नियमित नेत्र जांच स्वस्थ और सुरक्षित जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ मदन खीचड़ ने बताया कि यह निःशुल्क नेत्र जांच शिविर हकृवि के कैंपस अस्पताल व आई-क्यू सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है। आँखों की देखभाल कैसे करें आम नागरिक कैंपस अस्पताल की एसएमओ डॉ. प्रीति मलिक ने बताया कि शिविर में मोतियाबिंद, दृष्टिदोष, गलूकोमा, आँखों की एलर्जी तथा अन्य नेत्र रोगों की जांच की गई। उन्होंने नागरिकों से मोबाइल और स्क्रीन का सीमित उपयोग करने, पौष्टिक भोजन खाने, धूप और धूल से आँखों का बचाव करने, पढ़ते समय सही रोशनी रखने तथा आँखों की नियमित जांच करवानें की सलाह दी। उन्होंने बताया कि यदि आँखों में लगातार दर्द, लालिमा, धुंधलापन और पानी आने जैसी समस्या है तो चिकित्सक से अवश्य जांच करवाएं। इस अवसर पर आई-क्यू सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से डॉ. सुल्तान सिंह, अश्वनी मोहिल, जानकी शुक्ला, जितेन्द्र सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी व कैंपस अस्पताल के स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-5-26	4	7-8

मधुमक्खी पालन से 15% तक बढ़ता है फसल उत्पादन

एचएयू में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि । स्रोत : संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि मधुमक्खी पालन से आसपास के खेतों में 10 से 15 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ता है। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान तथा कीट विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के किसानों और मधुमक्खी पालकों ने भाग लिया। डॉ. कौशिक ने कहा कि मधुमक्खियां फसलों में परागणकर्ता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसलिए इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मधुमक्खी पालन युवाओं के लिए स्वरोजगार का अच्छा माध्यम है। वहीं, विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने शहद पैकेजिंग, मार्केटिंग और उपकरण निर्माण को भी रोजगार का बेहतर विकल्प बताया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-5-26	3	1

एचएयू में विश्व मधुमक्खी दिवस पर परागणकर्ता संरक्षण की अपील

हिसार | एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान और कीट विज्ञान विभाग ने विश्व मधुमक्खी दिवस पर मधुमक्खियों व अन्य परागणकर्ताओं के संरक्षण तथा पर्यावरण प्रदूषण से बचाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम किया। विभिन्न जिलों से किसान और मधुमक्खी पालक पहुंचे। मुख्य अतिथि विस्तार शिक्षा निदेशक नरेश कौशिक ने कहा कि अनेक फसलों में मधुमक्खियां परागण का अहम कार्य करती हैं, इसलिए उनके संरक्षण को खेती की प्राथमिकता बनाना जरूरी है। उन्होंने आय बढ़ाने के लिए कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्धन अपनाने और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.05.2026	--	--

किसान मधुमक्खियों के संरक्षण पर ध्यान दें, फसल उत्पादन में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण

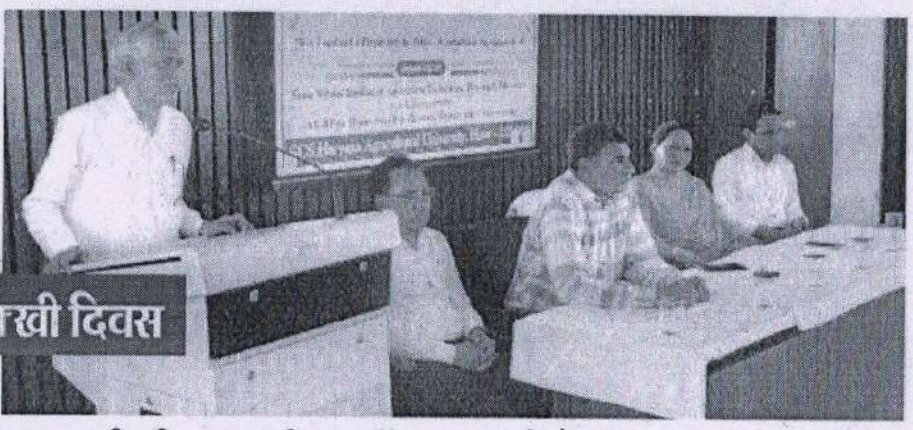

विश्व मधुमक्खी दिवस

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस के उपलक्ष्य में मधुमक्खियों एवं अन्य परागणकर्ताओं के संरक्षण और पर्यावरण प्रदूषण से बचाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न जिलों से किसानों एवं मधुमक्खी पालकों ने भाग लिया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने फसल उत्पादन में मधुमक्खियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनेक फसलों में मधुमक्खियां परागणकर्ता के रूप में कार्य करती हैं, इसलिए इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने किसानों को कृषि एवं इससे जुड़े अन्य व्यवसायों के माध्यम से आय बढ़ाने हेतु अपने उत्पादों में मूल्य संवर्धन अपनाने की सलाह भी दी। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए एकल-प्रयोग प्लास्टिक के उपयोग से बचने का आह्वान किया।

संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मधुमक्खी पालन न केवल फसल उत्पादन में वृद्धि करता है, बल्कि युवाओं के लिए स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम भी बन सकता है। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन अपनाकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए मधुमक्खी पालन की उपयोगिता तथा विश्व मधुमक्खी दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मधुमक्खियों एवं अन्य परागणकर्ताओं के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि बेरोजगार युवा मधुमक्खी पालन से जुड़े व्यवसाय शहद पैकेजिंग, मार्केटिंग एवं उपकरण निर्माण आदि को भी आजीविका का साधन बना सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	21.05.2026	--	--

विश्व मधुमक्खी दिवस पर एचएयू में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दक्ष दर्पण

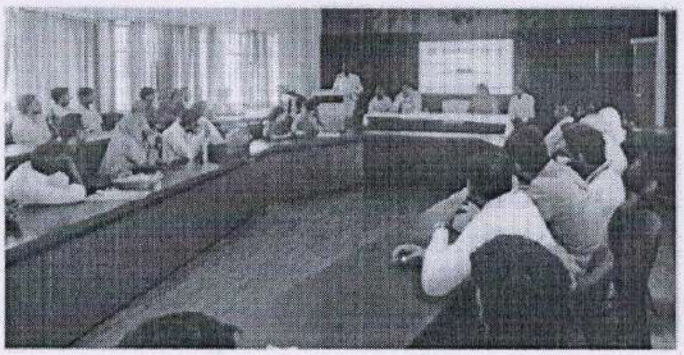

हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान तथा कीट विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस के उपलक्ष्य में मधुमक्खियों एवं अन्य परागणकर्ताओं के संरक्षण और पर्यावरण प्रदूषण से बचाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न जिलों से किसानों एवं मधुमक्खी पालकों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने फसल उत्पादन में मधुमक्खियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनेक फसलों में मधुमक्खियां परागणकर्ता के रूप में कार्य करती हैं, इसलिए इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने किसानों को कृषि एवं इससे जुड़े अन्य व्यवसायों के माध्यम से आय बढ़ाने हेतु अपने उत्पादों में मूल्य संवर्धन अपनाने की सलाह भी दी। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए एकल-प्रयोग प्लास्टिक के उपयोग से बचने का आह्वान किया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मधुमक्खी पालन न केवल फसल उत्पादन में वृद्धि करता है, बल्कि युवाओं के लिए स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम भी बन सकता है। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन अपनाकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए मधुमक्खी पालन की उपयोगिता तथा विश्व मधुमक्खी दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मधुमक्खियों एवं अन्य परागणकर्ताओं के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि बेरोजगार युवा मधुमक्खी पालन से जुड़े व्यवसाय शहद पैकेजिंग, मार्केटिंग एवं उपकरण निर्माण आदि को भी आजीविका का साधन बना सकते हैं। मंच संचालन डॉ. भूपेंद्र सिंह ने किया, जबकि डॉ. मनोज कुमार ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. डीके शर्मा, डॉ. सतीश कुमार एवं डॉ. संदीप भाकर भी उपस्थित रहे।